Dance, song, 'yagya' mark BPSMV meet

TRIBUNE NEWS SERVICE

SONEPAT, FEBRUARY 24

The annual alumni meet of Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya (BPSMV), Khanpur Kalan, was organised on Saturday. Vice-Chancellor Sudesh said alumni were an invaluable asset to any institution and the alumni association was doing the important work of bringing them together.

She paid tribute to Bhagat Phool Singh, Behan Subhashini Devi and Saint Ravidas and urged the alumni to take the heritage of Bhagat Phool Singh forward.

This meet was organised by the alumni association and education department. The students presented cultural performances, including Haryanvi dance, a play, giddha, etc.

A 'yagya' ceremony was also organised in the university's 'yagyashala' to mark Bhagat Phool Singh's 139th birth anniversary.

The institution's Vice-chancellor Sudesh presented the Reena Abhishek Award, sponsored by alumnus Dr Reena, to BAMS (I) topper Ekta and BAMS (II) topper Tanvi. Former principal of MSM Institute of Ayurveda Dr Vijay Kaushik announced he would honour the topper of BAMS final year next year onwards.

On this occasion, former students Hukum Kaur, Sandhya, Dr Anjali, Poonam and others shared their student-life experiences. A few spots designated as 'selfie points' were the centre of attraction amongst guests.

Vice-Chancellor Sudesh with the alumni during the meet at BPSMV in Khanpur Kalan. TRIBUNE PHOTO

भगत फूल सिंह की तपोस्थली है महिला विवि

पाठ्यक्रम में भगत फूल सिंह की जीवनी शामिल करने की मांग

बीपीएस महिला विवि में सेल्फी प्वाइंट पर पूर्व छात्राओं के साथ महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि यह महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं बल्कि महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह की तपोस्थली है।

कहा कि यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तीकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने यह बात भगत फूल सिंह की जयंती पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कही।

इस दौरान विवि की यज्ञशाला में हवन करवाया गया। कहा कि भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र व उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए भगत फूल सिंह की जीवनी को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करते हुए शिक्षा रूपी पौधे को लगाया था, जो आज विश्वविद्यालय रूपी वट वृक्ष बन गया है। भगत फूल सिंह और सुभाषिणी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

इस मौके पर कमला, ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक मौजूद रही।

महिला विवि भगत फूल सिंह की तपोस्थली : प्रो. सुदेश

भगत फूल सिंह का दर्शन विषयक दो क्रेडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएगा

गोहाना। यज्ञ में आहुतियां डालते हुए कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य।

गोहाना। महिला विवि की पूर्व छात्राएं कुलपति प्रो. सुदेश व विवि के स्टाफ सदस्यों के साथ। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। यह बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने शनिवार को भगत फूल सिंह की 139वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कही।

कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय की यज्ञशाला में यज्ञ किया गया। यज्ञ में कुलपति प्रो. सुदेश तथा प्रो. हवा सिंह ने मुख्य यजमान के रूप में आहुति डाली। बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि-विधान से यज्ञ संपन्न कराया। यज्ञ के बाद प्रो. सुदेश ने घोषणा करते हुए कहा कि भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र व उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति-2020 के तहत गुरुकुल परंपरा और भगत फूल सिंह जी का दर्शन विषयक दो क्रेडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएगा। प्रो. सुदेश ने कहा कि विश्वविद्यालय समुदाय के लिए पुनः संकल्प लेने का अवसर है कि किस प्रकार भगत फूल सिंह ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करते हुए इस शिक्षा रूपी पौधे को लगाया। उनकी निःस्वार्थ सेवा के परिणाम स्वरूप यह पौधा आज विश्वविद्यालय रूपी वट वृक्ष बन गया है। इस अवसर पर बहन कमला, ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक सहित स्टाफ मौजूद रहे।

पूर्व छात्र संस्थान की अमूल्य धरोहर : प्रो. सुदेश

गोहाना। पूर्व छात्र किसी भी संस्थान की अमूल्य धरोहर होती है। एलुमनी एसोसिएशन विश्व भर में संस्थान का नाम ऊंचा कर रहे पूर्व छात्रों को एक मंच पर लाने का सशक्त प्लेटफार्म है। ये बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश ने रविवार आयोजित वार्षिक एलुमनी मीट-2024 को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। यह कार्यक्रम एलुमनी एसोसिएशन तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विवि के शैक्षणिक खंड-एक स्थित बहुउद्देशीय हाल में आयोजित हुआ। कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने संबोधन की शुरूआत महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह, बहन सुभाषिनी देवी और संत रविदास को नमन करते हुए की। उन्होंने पूर्व छात्रों का आह्वान किया कि वे भगत फूल सिंह की इस तपोस्थली की मजबूत सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखें और इस धरोहर को आगे बढ़ाएं। समारोह की विशिष्ट अतिथि बहन कमला व शकुंतला रहीं। कार्यक्रम निदेशक एवं शिक्षा विभाग की अध्यक्ष डॉ. अनु बल्हारा ने कुलपति का स्वागत किया। डॉ. किरण कलकल ने एलुमनी एसोसिएशन की गत वर्ष की रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में एलुमनी एसोसिएशन द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा प्रस्तुत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जन का मन मोह लिया। जहां हरियाणवी नृत्य की थाप पर पूरा सभागार थिरक उठा, वहीं लघु नाटिका के माध्यम से छात्र जीवन और हॉस्टल में बिताए पलों की यादें ताजा कर दी। कार्यक्रम में डीन, अकादमिक अफेयर्स प्रो. संकेत विज, कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक, एलुमनाई निदेशक डॉ. विवेक अग्रवाल, डीन, छात्र कल्याण प्रो. श्वेता हुड्डा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. संदीप दहिया, निदेशक जनसंपर्क ले.कर्नल (डॉ.) अखिल बल्हारा सहित विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, गैर शिक्षक कर्मी, शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

टॉपर छात्राओं को किया सम्मानित

कुलपति प्रो. सुदेश ने पूर्व छात्रा डॉ. रीता द्वारा प्रायोजित रीता अभिषेक अवार्ड बीएएमएस-1 की टॉपर एकता और बीएएमएस-2 की टॉपर तन्वी को प्रदान किया। एमएसएम आयुर्वेद संस्थान के पूर्व प्राचार्य डॉ. विजय कौशिक ने अगले वर्ष से बीएएमएस अंतिम वर्ष के टॉपर को सम्मानित करने की घोषणा की।

भगत फूल सिंह जयंती पर हवन में आहुतियां दी

भगत फूल सिंह की जयंती पर हवन में आहुति डालती कुलपति।

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विवि उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र व उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति-2020 के तहत गुरुकुल परंपरा और उनका दर्शन विषयक-2 क्रेडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएगा। यह घोषणा महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने शनिवार को भगत फूल सिंह की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में की। इस दौरान उन्होंने भगत फूल सिंह को नमन करते हुए हवन में भी आहुति डाली।

प्रो. सुदेश ने कहा कि नारी शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विवि प्रशासन लगातार प्रयत्नशील है। विवि में बहन सुभाषिनी देवी शोध पीठ की स्थापना की जा रही है। इसके बाद शकुंतला देवी ने भी भगत फूल सिंह के जीवन से जुड़ी यादें साझा की। इस मौके पर कमला, ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक मौजूद थे।

'भगत फूल सिंह की जीवनी पाठ्यक्रम में होगी शामिल'

हवन मे आहुति डालते हुए कुलपति प्रो. सुदेश व प्रो. हवा सिंह ● सौ. विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि यह महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं बल्कि महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने यह बात भगत फूल सिंह जयंती पर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कही। विश्वविद्यालय की यज्ञशाला में हवन करवाया गया।

प्रो. सुदेश ने कहा कि भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र व उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति के तहत गुरुकुल परंपरा और भगत फूल सिंह जी का दर्शन विषयक दो क्रडिट आधारित एडआन कोर्स शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करते हुए शिक्षा रूपी पौधे को लगाया था, जो विश्वविद्यालय रूपी वट वृक्ष बन गया है। भगत फूल सिंह और बहन सुभाषिणी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। विश्वविद्यालय में बहन सुभाषिणी देवी शोध पीठ की स्थापना की जा रही है। हवन में कुलपति प्रो. सुदेश और प्रो. हवा सिंह मुख्य यजमान रहे। बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि विधान से यज्ञ संपन्न कराया। बहन कमला, ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक मौजूद रही।

पूर्व छात्र संस्थान की अमूल्य धरोहर : प्रो. सुदेश

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में शनिवार को पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि पूर्व छात्र किसी भी संस्थान के अमूल्य धरोहर हैं। पूर्व छात्राओं ने कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा किए। डा. किरण कलकल ने एलुमनी एसोसिएशन की गत वर्ष की रिपोर्ट प्रस्तुत की और गतिविधियों का ब्योरा दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में एसोसिएशन द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। लघु नाटिका के माध्यम से छात्र जीवन और हास्टल में बिताए पलों की यादें ताजा कर दी। कुलपति प्रो. सुदेश ने पूर्व छात्रा डा. रीना द्वारा प्रायोजित रीना अभिषेक अवार्ड बीएएमएस-एक की टापर एकता और बीएएमएस-दो की टापर तन्वी को प्रदान किया। एमएसएम आयुर्वेद संस्थान के पूर्व प्राचार्य डा. विजय कौशिक ने अगले वर्ष से बीएएमएस अंतिम वर्ष के टापर को सम्मानित करने की घोषणा की। 1966 बैच की जेबीटी छात्रा हुकुम कौर, असिस्टेंट प्रोफेसर अंजलि श्योकंद, संध्या व पूनम नरवाल ने छात्र जीवन की यादें ताजा की। समारोह स्थल पर बनाए गए सेल्फी प्वाइंट पर पूर्व छात्राओं ने सेल्फी ली। इस मौके पर डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. संकेत विज, कुलसचिव प्रो. नीलम मलिक, एलुमनाई निदेशक डा. विवेक अग्रवाल, डीन, छात्र कल्याण प्रो. श्वेता हुड्डा, परीक्षा नियंत्रक डा. संदीप दहिया, डा. अनु बल्हारा, डा. अनिल बल्हारा मौजूद रहे।

महिला विश्वविद्यालय में हवन कर महान शिक्षाविद को किया नमन

खानपुर कलां, गिरीश सैनी (अधि की आवाज ब्यूरो)। महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। यह उद्गार भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने भगत फूल सिंह की 139वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए व्यक्त किए। विश्वविद्यालय

यज्ञशाला में आयोजित हवन-यज्ञ कार्यक्रम के परचात कुलपति प्रो सुदेश ने घोषणा करते हुए कहा कि भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र व उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति-2020 के तहत -गुरुकुल परंपरा और भगत फूल सिंह जी का दर्शन- विषयक 2 क्रेडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएगा।

हवन यज्ञ कार्यक्रम में कुलपति प्रो सुदेश तथा प्रो हवा सिंह ने मुख्य यजमान के रूप में आहुति डाली। वहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि विधान से यज्ञ संपन्न कराया। यज्ञ उपरांत भगत फूल सिंह को नमन करते हुए कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि यह आयोजन केवल हवन मात्र नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय समुदाय के लिए पुनः संकल्प लेने का अवसर है कि किस प्रकार भगत फूल सिंह जी ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करते हुए इस शिक्षा रूपी पौधे को लगाया। उनके निस्वार्थ सेवा के उद्देश्य और संकल्प के परिणाम स्वरूप यह पौधा आज विश्वविद्यालय रूपी वट वृक्ष बन गया है। कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि नारी शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह और बहन सुभाषिनी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इसी उद्देश्य के साथ विश्वविद्यालय में बहन सुभाषिनी देवी शोध पीठ की स्थापना की जा रही है।

कुलपति प्रो सुदेश ने पूर्व छात्रों से किया सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखने का आह्वान

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। पूर्व छात्र किसी भी संस्थान की अमूल्य धरोहर होती है। एलुमनी एसोसिएशन विश्व भर में संस्थान का नाम ऊंचा कर रहे पूर्व छात्रों को एक मंच पर लाने का सशक्त ह्लेटफार्म है। ये बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने शनिवार को आयोजित वार्षिक एलुमनी मीट-2024 को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। कुलपति प्रो सुदेश ने अपने संबोधन की शुरुआत महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह, बहन

सुभाषिनी देवी और संत रविदास को नमन करते हुए की। उन्होंने कहा कि सभागार में मौजूद पूर्व छात्रों के चेहरे का उल्लास बता रहा है कि वह यहां आकर कितनी खुशी अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने पूर्व छात्रों का आह्वान किया कि वे भगत फूल सिंह की इस तपोस्थली की मजबूत सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर रखें और इस धरोहर को आगे बढ़ाएं। कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि भगत फूल सिंह की नारी शिक्षा व सशक्तिकरण की अवधारणा ने महिलाओं को बराबरी दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। आज विज्ञान, तकनीक सहित हर क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी नजर आती है।

उन्होंने अपने संबोधन में गीतों व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नारी चित्रण को मर्यादा व आदर के साथ प्रस्तुत करने की बात भी कही। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विकास के लिए पूर्व छात्र अपने सुझाव व विचार अवश्य साझा करें। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड-एक स्थित बहुउद्देशीय हाल में आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन एलुमनी एसोसिएशन तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो सुदेश ने अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बहन कमला व शकुंतला उपस्थित रही। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे सभी पूर्व छात्रों का तिलक कर स्वागत किया गया।

भगत फूल सिंह पर क्रेडिट आधारित 2 एड ऑन कोर्स शुरू होंगे

जयंती पर महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. ने की घोषणा

गोहाना मुद्रिका, 24 फरवरी : भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र और उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति-2020 के तहत "गुरुकुल परंपरा और भगत फूल सिंह जी का दर्शन" विषयक दो क्रेडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएंगे।

यह घोषणा शनिवार बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने की। अवसर भगत फूल सिंह की जयंती का था। महिला विश्वविद्यालय के पुरोधा की जयंती पर यज्ञशाला में हवन हुआ। इस में वी.सी. प्रो सुदेश तथा उनके पति प्रो हवा सिंह ने मुख्य यजमान रहे। बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि-विधान से यज्ञ संपन्न कराया।

प्रो सुदेश ने कहा कि महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है।

वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि नारी शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह और बहन सुभाषिनी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इसी उद्देश्य के साथ विश्वविद्यालय में बहन सुभाषिनी देवी शोध पीठ की स्थापना की जा रही है।

इस अवसर पर बहन शकुंतला देवी ने भी भगत फूल सिंह के जीवन से जुड़ी यादें साझा की। इस अवसर पर बहन कमला, ज्ञानवती, ब्रह्म वती, साहिब कौर, डॉ. नीलम मलिक आदि भी उपस्थित रहीं।

भगत फूल सिंह पर क्रैडिट आधारित 2 एड ऑन कोर्स होंगे शुरू

हवन में आहुति डालते हुए प्रो. सुदेश और उनके पति प्रो. हवा सिंह (अरोड़ा)

गोहाना, 24 फरवरी (अरोड़ा): भगत फूल सिंह के जीवन चरित्र और उनके त्याग की अवधारणा को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए नई शिक्षा नीति-2020 के तहत 'गुरुकुल परंपरा और भगत फूल सिंह जी का दर्शन' विषयक 2 क्रैडिट आधारित एड ऑन कोर्स शुरू किया जाएंगे।

यह घोषणा शनिवार बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने की। अवसर भगत फूल सिंह की जयंती का था। महिला विश्वविद्यालय के पुरोधा की जयंती पर यज्ञशाला में हवन हुआ।

इसमें वी.सी. प्रो सुदेश तथा उनके पति प्रो. हवा सिंह मुख्य यजमान रहे। बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि-विधान से यज्ञ सम्पन्न कराया।

प्रो. सुदेश ने कहा कि महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है।

वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि नारी शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार प्रयत्नशील है।

उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह और बहन सुभाषिनी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इसी उद्देश्य के साथ विश्वविद्यालय में बहन सुभाषिनी देवी शोध पीठ की स्थापना की जा रही है।

इस अवसर पर बहन शकुंतला देवी ने भी भगत फूल सिंह के जीवन से जुड़ी यादें सांझा कीं। इस अवसर पर बहन कमला, ज्ञानवती, ब्रह्म वती, साहिब कौर, डॉ. नीलम मलिक आदि भी उपस्थित रहीं।